जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी हैं,
तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ,
जो उनके बल पर शिक्षित तो बना परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नहीं देता।

– स्वामी विवेकानन्द

महाविद्यालय का अभिनव प्रयोग

एक विभाग – एक गाँव
एक कॉलेज – एक गाँव

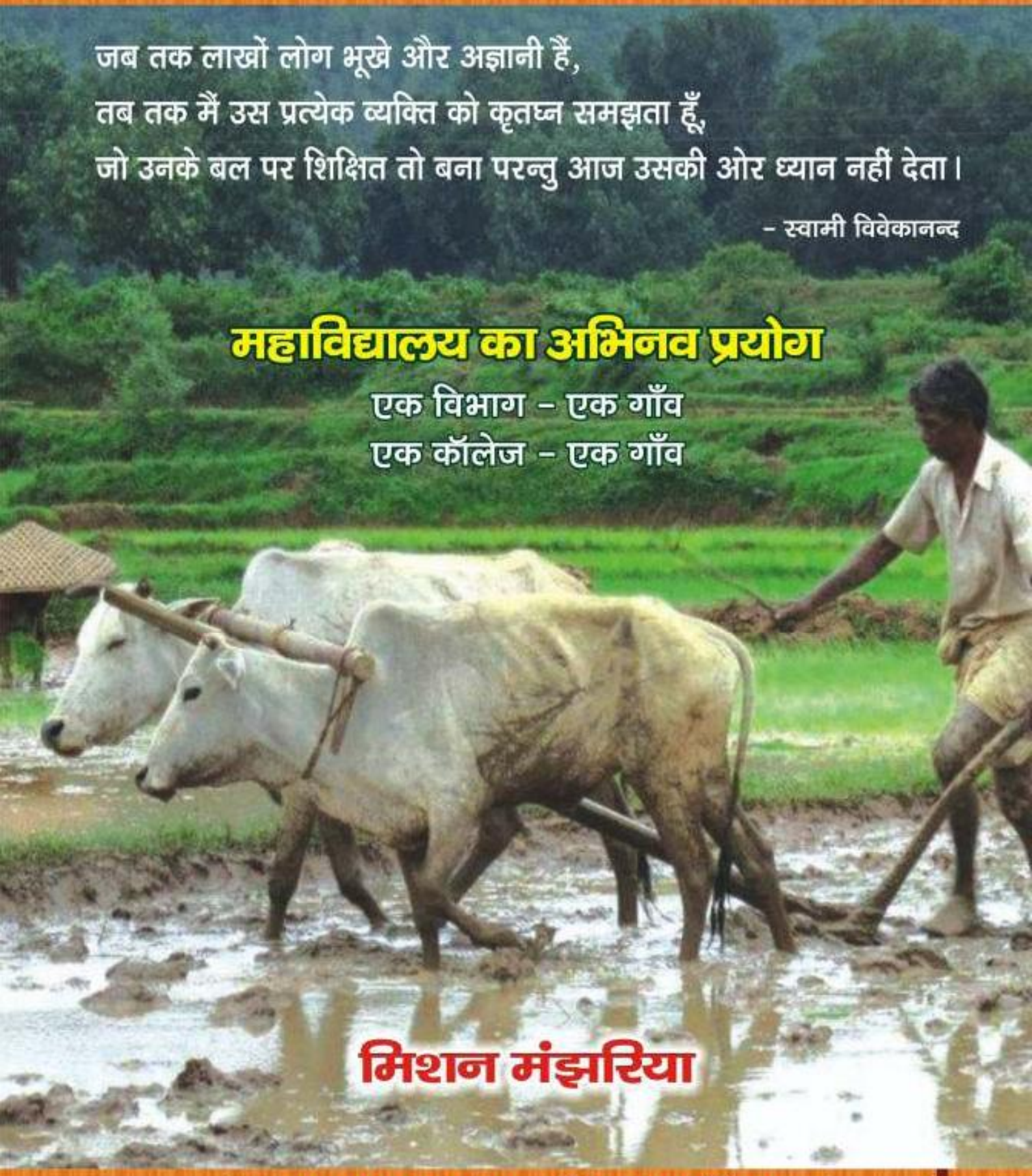

मिशन मंझरिया

मिशन मंझरिया

ग्रामवासियों को शिक्षित बनाती बी.एड. की छात्राध्यापिका

जंगल धूसड़ की ग्रामीण पृष्ठभूमि में स्थापित महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक-कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन-पाठन के साथ-साथ जन-सरोकारों से सीधा-संवाद स्थापित किया। अपने स्थापना वर्ष में ही 'ग्रामीण भारत का भविष्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर महाविद्यालय द्वारा 'आदर्श ग्राम योजना' का स्वरूप निर्धारित किया गया। गाँव से शिक्षकों-विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु 'एक विभाग-एक गाँव' की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया। इसी क्रम में 2015-2017 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबंधक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गाँवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम सभा औराही में साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान ने आदर्श-ग्राम योजना को अनुभव-जन्य गति प्रदान किया।

बच्चे का दुलारता हुआ महाविद्यालय का विद्यार्थी

गत सत्र की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सत्र 2020-21 ई. की योजना बैठक में 'एक विभाग-एक गाँव' योजना को पूर्ववत् जारी रखते हुए, कोरोना महामारी के कारण कुछ विलंब से महाविद्यालय से सटे ग्राम 'मंझरिया' को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति जागरूकता के साथ-साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गाँव बनाने की दिशा में 'मिशन मंझरिया' प्रारंभ किया गया। इस मिशन मंझरिया अभियान को बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह के निर्देशन में 1 नवम्बर 2020 से पुनः मिशन बनाकर प्रतिदिन अपराह्न 2 से 4 बजे तक कार्य प्रारम्भ किया।

इस सत्र में छात्राध्यापकों ने महापुरुषों के नाम पर शिक्षण केन्द्रों का नामकरण भी किया। कुल आठ शिक्षण केन्द्र इस प्रकार हैं -

- शिक्षण केन्द्र 01- भीमराव अम्बेडकर शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 02- माँ सीता शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 03- माँ सरस्वती शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 04- वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 05- माँ कात्यायनी शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 06- रानी पद्मिनी शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 07- रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र
- शिक्षण केन्द्र 08- स्वामी विवेकानन्द शिक्षण केन्द्र

छात्राध्यापकों द्वारा अपने इस सेवा कार्य को 'मन से मंझरिया' नाम से संबोधित किया गया।

मिशन मंझरिया

महिलाओं को दीया पेंटिंग का प्रशिक्षण देते विद्यार्थी

1 नवम्बर 2020 ई. से छात्राध्यापकों का समूह मंझरिया ग्राम में विभिन्न केन्द्रों पर जाकर दीया पेंटिंग एवं सजावट की वस्तुओं को बनाने का प्रशिक्षण देने का कार्य प्रारंभ किया। दीपावली उत्सव को भी इस मिशन का हिस्सा बनाया गया। छात्राध्यापकों के साथ ग्रामीण महिलाएँ पूर्ण मनोयोग से दीया पेंटिंग एवं सजावट कार्य में हर्षोल्लास के साथ लग गयीं। बनाये हुए दीयों एवं सजावट की वस्तुओं की छात्राध्यापकों ने महाविद्यालय में प्रदर्शनी लगायी। दीया एवं सजावट की वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त मूल्य को ग्रामीण महिलाओं में वितरित कर दिया गया। यह स्वावलंबन की दिशा में एक कदम था।

प्रदर्शनी का उद्घाटन करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

दीपावली एवं छठ पूजा के उपरान्त छात्राध्यापकों ने ज्ञान यज्ञ का कार्य प्रारंभ किया। कक्षा 01 से 10 तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों की निःशुल्क कोचिंग कक्षाएँ एवं

बच्चों को पढ़ाते छात्राध्यापक

गाँव के बच्चों को कोचिंग पढ़ाती छात्राध्यापिका

बच्चों को पाठाभ्यास कराते विद्यार्थी

शिक्षण सामग्री पाकर प्रसन्न होते नौनिहाल

मिशन मंझरिया

शिक्षण केन्द्र पर सफाई करते विद्यार्थी

विभिन्न केन्द्रों पर माँ और बच्चे साथ-साथ पढ़ने का कार्य गत वर्ष की भाँति जारी किया। प्रत्येक माह के अंत में पढ़ाये गये विषयों का मासिक मूल्यांकन भी किया जाता रहा है और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों एवं महिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया है।

महाविद्यालय की तर्ज पर प्रत्येक रविवार को स्वच्छता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का कार्य भी पूर्ववत् जारी रखा गया। प्रत्येक शनिवार आठ केन्द्रों पर शिक्षण कार्य स्थगित कर पहले अपने केन्द्र पर झाड़ू उठाकर छात्राध्यापक, ग्रामीण महिलाएँ एवं बच्चे साथ मिलकर सफाई करते, तत्पश्चात् गायन-नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा एक दूसरे का मनोरंजन करते। सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलक गणतंत्र दिवस एवं बसन्त पंचमी के अंतर्गत आयोजित समारोहों में दिखी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर वीर अभिमन्यु शिक्षक केन्द्र पर सभी केन्द्रों की महिलाएँ एवं बच्चे मिलकर छात्राध्यापकों संग ध्वजारोहण, राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम इस समारोह को विलक्षण बना रहे थे। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक भी उपस्थित हुए। इसी क्रम में बसन्त पंचमी के अवसर पर भी छात्राध्यापकों ने अपने-अपने शिक्षण केन्द्रों पर महिलाओं एवं बच्चों के साथ माँ सरस्वती की आराधना कर पढ़ने का कार्य किया।

शिक्षण केन्द्र पर सफाई करते विद्यार्थी

शिक्षण केन्द्र पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते गाँव के बच्चे

गणतन्त्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते गाँव के बच्चे

सरस्वती पूजन में उपस्थित महाविद्यालय की छात्राध्यापिका एवं गाँव के बच्चे

मिशन मंझरिया

पढ़ने-पढ़ाने के साथ-साथ छात्राध्यापकों द्वारा व्यक्तित्व विकास योजना का कार्य भी किया गया जिसमें छात्रों को शारीरिक सफाई, बाल ठीक रखना, बढ़ते नाखूनों को चेक करना तथा बातचीत करने के तौर-तरीका भी सिखाया गया। बच्चों को बीमारियों से बचने के लिए हाथ धोने का प्रशिक्षण भी दिया गया। सम्प्रति बच्चों में कला के माध्यम से रचनात्मकता का विकास भी किया जा रहा है।

गाँव के बच्चों की शारीरिक स्वच्छता पर महाविद्यालय की दृष्टि

गाँव के बच्चों का स्वास्थ्य निरीक्षण करते छात्राध्यापक

चित्रकला का प्रदर्शन करते गाँव के बच्चे

अपनी कला को प्रदर्शन करते गाँव के बच्चे

गाँव की महिलाओं को साक्षर करती छात्राध्यापिका

कढ़ाई कला से महिलाओं को जागरूक करती छात्राध्यापिका

ग्रामीण महिलाओं को कम्प्यूटर का सामान्य परिचय देते महाविद्यालय के विद्यार्थी

मिशन मंझरिया

'मन से मंझरिया' में छात्राध्यापकों ने ग्रामवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पर्यावरण जागरूकता रैली का भी आयोजन किया। बी.एड्. विभाग का वास्तविक मिशन नि:शुल्क चिकित्सा शिविर की योजना को आधार देने के लिए गाँव में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के 'सचल चिकित्सा सेवा' द्वारा साप्ताहिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जहाँ नि:शुल्क दवाएँ भी

मेडिकल कैम्प के दौरान ग्रामवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक

महिला का शुगर जाँच करते चिकित्सक

वितरित की गयीं। वहीं महिलाओं को तकनीकि शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। साथ ही साथ सिलाई-कढ़ाई का हुनर भी छात्राध्यापकों द्वारा सिखाया गया।

मिशन मंझरिया बी.एड्. विभाग की अद्वितीय उपलब्धि के रूप में निरन्तर प्रगति पथ पर है। वर्तमान सत्र में इस मिशन को प्रारम्भ कर वर्तमान परिणति तक पहुँचाने वाले सेवाव्रती विद्यार्थी हैं– राहुल कुमार यादव, स्मिता वर्मा, हर्षा गुप्ता, अनुज श्रीवास्तव, प्रदीप शुक्ला, अमित साहू, अम्बरीश चतुर्वेदी, अंजली गुप्ता, अवनीश सिंह, इन्दू चौधरी, कुमार सिद्धार्थ यादव, हिमांशु सिंह, सुमित सिंह, विशाल मानव, माधवेन्द्र पति त्रिपाठी, सीमा पाण्डेय, दिव्यम श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव, राघवेन्द्र प्रताप सिंह। सहयोगी छात्राध्यापक– कृष्ण मोहन निषाद, अभिषेक सिंह, अंशिका राय, सौम्या त्रिपाठी, अश्वनी कुमार, कृतिका त्रिपाठी, श्वेता मल्ल, दीपक प्रजापति, पूजा सिंह, श्वेता गौड़, आदित्य वर्मा, माया श्रीवास्तव, अम्बिका शर्मा, पल्लवी मिश्रा, अम्बिकेश तिवारी, बलवीर प्रताप मल्ल, अखिलेश प्रजापति, आलोक सिंह, आकाश सिंह, राखी रानी, सहाना खातून, देवेन्द्र कुमार, हरिकेश कुमार यादव, ऐश्वर्या त्रिपाठी, राजन, सूरज यादव, संतोष, कुलदीप शर्मा।

मिशन मंझरिया

'मिशन मंझरिया' अनवरत गति से चलता रहे, इस दृष्टि से बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने बी.एड्. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को भी 15 फरवरी से इस मिशन में जोड़ने की योजना बनायी है।

गाँव के बच्चों को शारीरिक शिक्षा देते महाविद्यालय के विद्यार्थी

गाँव के बच्चों को शारीरिक शिक्षा देते महाविद्यालय के विद्यार्थी

गाँव के बच्चों को खेल खिलाते छात्राध्यापक

ग्रामीण महिलाओं को शिक्षित करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

गाँव के बच्चों को खेल खिलाते छात्राध्यापक

शिक्षण केन्द्र पर शिक्षण कार्य करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

मिशन मंझरिया

मन को आनन्द
एवं चित्त को आह्लादित
करती मिशन मंझरिया
एवं मन से मंझरिया
प्रकल्पों की कुछ
सुखद तस्वीरें